

SECOND SEMESTER: PHILOSOPHY (HONOURS)

CC - VI , UNIT - X

ପ୍ରାଚୀନ୍ତିକ ଶାହିରଙ୍ଗ ପ୍ରକାଶକୁ ମାଲ୍କୀର
ଅଧିକାରୀ ଅଧିକାରୀ

DR. BIBHUTI BHUSHAN NAYAK

-: মানোজিক প্রারম্ভিক ইম্বেকে মুচ্চের প্রতিমত:

हृषीका :— अमाद्वेर नारिवर्तनेर चारिन् प्रद; द्योपि नारिवर्तनेर कारन प्रधाया ॥
मासु ओ तार आपयोगी प्रस्तोलाम् टुटि उद्धरे प्रदण्डना करेहो, प्रथा :—
① प्रतिश्वासक बृह्मवास ② उद्धृत मूल्येर उद्ध,

প্রতিশ্রূতি বচ্ছবণঃ— মার্ক্সের দর্শন প্রযোগিক বচ্ছবণ নয়মে পারিচ্ছি, মার্ক্স
তার পূর্ববর্তী জ্ঞানসমূহ সামাজিক প্রয়োগের প্রযোগিক ধারণাদের প্রযোগিকভাবকে
প্রশংসন করলেও ধারণাদের পারিবর্তে বচ্ছবণ জন্মায় করেন, প্রয়োগের
মতবাস অনুসারে এবং চিন্তিত প্রয়োগ সহ, প্রযোগিকভাৱ, বয়স, প্রতিষ্ঠাও
জন্মাদের মধ্যে পদ্ধতি, প্রয়োগের মতে জায়ান্ত্রণ মানুষের রূপরীতি,
অসমীয়াতি, তাৰ বিভি, নীতি, দর্শন, প্রাচীতি সব কিছুই মানুষের ধারণ
চিন্তিত হাতে নির্ণয়িত হয়, এবং এবং চিন্তিত জন্মাদের পারিবর্তনকে
প্রতিশ্রূতি দাতিকে অকাটি নবজীবন ধারণে অক্ষণ্যত কৰে,

“**प्र२** एका वायवसी ब्रह्मद्वयके वाणिज करें, वस्तुवासेव ब्रह्मद्वय दिलेहें,
मार्क्ष्यर मते भास्तुय तम् भग्नय या पारिवेदना वाप करें तोटाप तल तार
वस्तुमध्या अप्य त्वार त्रि वस्तुमात् पारिवेभवत् तार अप्य दीवाके, “तार श्रिम
दीवानाम्, तार ज्ञानीति अग्नीति. चिरा दर्भन वायवा वायवाणिके निमित्त”
उ निमित्तं करें, मध्यप्रेरणाले त्वारात् ज्ञानात्मक फल भग्नयके विनाम
विनामे टेपोन ओवन्टन - ब्रह्मद्वयः ज्ञाप्ता भूत्वा ग्राक्ते श्रम, ग्राम
जाके अप्यन्ताणिके निमित्तन ब्रह्मद्वया वलेहें, मार्क्ष्यर मिथ्यकार अग्नीत्येव
ज्ञाय, अस्मम अप्य वायविन. वायवके त्वार अप्यके वलम् इम् अग्नीत्यिक
निमित्तन वाप.

ମୁନ୍ୟାତ୍ ଓ ଶାର୍ମିନଙ୍କାଂ ପାଇବାରେ ଗଜଳେ ଯମାଦ୍ୱାରା

ମହାଲ୍ ପାରିଷଦବଳୀ ବିଭିନ୍ନ ସମ୍ବନ୍ଧରେ, ମହାଲ୍ ଆମିକ ଓ ମାଲିକି ଦ୍ୱାରା ଉତ୍ସବରେ
ବୁଲ୍ଲି ଦେଖା ଗଲା, କେମାନାମେ ବୁଦ୍ଧିଭାବ ଅନୁମତି ପରି ଚାଲିକ ହନ୍ତି- ଏହାରକେ
ମାର୍କ୍ ଦ୍ୱାରା ଉତ୍ସବରେ ନାମ ଅଧିକାଂଶ କରିଛନ୍ତି, ମାର୍କ୍ ଓ ମହାଲ୍ଲାଙ୍କି ରାଜିମ୍ ମାନିଷରେ
ଦେଖାଇଲାଗଲା ଆମା କମ୍ଯୁନିଟି-ଶଳୀ ମଧ୍ୟରେ କମ୍ପାନ୍ କମ୍ପାନ୍
ମାନବ କମାନ୍ଦରେ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା କରି ଦେଖି- କେମାନି ହବୁବର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା, ପରି ଦେଖି
ହବୁବର ମାର୍କ୍କର ମାତ୍ର, କେମାନି ପାରିବର୍ତ୍ତର ମୂଳ ଚାଲିକା କାହିଁ

मार्क्स नामे करेन, लम्बावै चामाद्वेर प्राणी
कुरे असीद्वन्द्व आकलोउ, प्राण्कुल पारिवेनेर जन्म अमिक अन्नी अंडापाठ
पठै पारेनि, तर गलो अमिक अन्नी घर्याहक विल्लवेर पथ यिरे अन्नीहीन
चामाज अभ्यर्त्व लग्याउ चामाजत्वन्द्वेर प्राणीपाठै पारेनि, वर्षमास काले
प्राण्डित्यिनेर नायन देसन चरणामायाम् उपानीत इयेहे, तेमनि चामाया
यामा श्रवणाय ऐर्णिति गले छाध्य शारीरिका जाग्यावक्त श्वसन् आः चामाया
याम करेहे, काढेह मार्क्सेर हूँ विम्बाण अ अकदिनि विनिग्नान्तिक चामाय
श्रवणाय असक्ता अवधास थिवे नव; अन्नीहीन अमाजत्वन्द्व प्राणीपाठै पारे,
उट्टुउ अल्लोर एहुः — लिखोहु —

— २ — ४.— उपोक्तव्य बुद्धिमत्ता की ओर से विद्वान् मालिकजी दिग्भीन अमिकले वापसी करें, उत्तु भूलें तद्रै मार्ग चाटाइ बुद्धि करेहन, यिरा याक चक्र मत्ता अमिकले ८ अंटी अप्स मत्तमार पालिवठे मालिक ताके ११/१०/११/१२ अंटी अप्स दिले बाहि करें, बाहर अगिहिक अप्स देखानि भूला अमिकला चामना, तार चाटाइ छुड़ भूला दुगे मालिकजी लाए करें, मालिकजी लाए करें, मालिकहर अनीर मध्यम अस वल्लभ अनीर तीर रुण याक,

ମୂଳ କାରନ, ଆମ୍ବା ଅଭ୍ୟାସୀନ ଚମଦ୍ଦି ମାନୁଷଙ୍କ ହୃଦୟରେ ଆକୃତି - ଚମଦ୍ଦିର ପ୍ରାଣୀ
ଆକାଶ 'ଅଭ୍ୟାସୀନ' ବଲେ କିନ୍ତୁ ନହିଁ ଏହା, ଚମଦ୍ଦିର ଜୀବ ଅବଧାରକେ ମାତ୍ର ଆମ୍ବା
ଚମଦ୍ଦିର ବଲେଛି, କାଳମନ୍ତର କ୍ଷମାଦୟ ବ୍ରଦ୍ଧିର ବଲେ ଚମଦ୍ଦିର ପ୍ରଯୁକ୍ତିଗୁଡ଼ିକରେ
ହେଉ ଥିଲା, ପ୍ରମା ଅବଧାରକ ଚମଦ୍ଦିର ଚାଲିକାନାର କିମ୍ବା ମାନୁଷ ପରମାରେ ଅନ୍ତର
ମାତ୍ରାରେ - ଲିପି ହେଉ, ଯାହା ପରାକ୍ରିତ ହେଲା ତଥା କାମେ ପାଇନାଥ ହେଲା,
ମ୍ରଦ୍ଵେଷ ପ୍ରଗମ
ଅଭ୍ୟାସୀନଙ୍କ କ୍ଷମଦ୍ଦିର ପ୍ରବନ୍ଧ ହେଲା, ଚାମଦ୍ଦିର କୁଟୀ ଅଭ୍ୟାସୀନ ହେଲା - ଜାମଦିନର ଉ
କ୍ରମକ, ମ୍ରଦ୍ଵେଷ କୁଟୀ ନାଟକ ଚମଦ୍ଦିର ପ୍ରଯୁକ୍ତିଗୁଡ଼ିକ ଚମଦ୍ଦିର ଚମଦ୍ଦିର ପାଇବାରେ
ହେଲା - ମିଳିତ ସିନିମାଫିଲ୍ମ ଚମଦ୍ଦିର ପ୍ରକାଶ ହେଲା, ଅଧିକାରୀ କୁଟୀ ଅଭ୍ୟାସୀନ - ୨୦୮
ମାଲିକ ଓ ଅଭିକ୍ଷିତ, ମାତ୍ର କିମ୍ବା ପୋମାଳ କରେ ବଲେନ, ଏ ବୀଳାରି କମ୍ପୁଟର ହେଲା
କୁଟୀ ଅଭ୍ୟାସୀନ କୁଟୀ ମର୍ମି ଦ୍ଵିତୀୟ ପ୍ରକାଶିତ ଅଭ୍ୟାସୀନ ଚମଦ୍ଦିର ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ହେଲା

अप्पेधायाम् त्वं, भास्कु दमादृष्टिके आवाजक
प्राणिर्वर्तनेर् द्रेष्टा लाय वर्णोनानि, दामादृष्टिके शास्त्रिर्वर्तनेर् लाय इ. इल दामादृष्टि,
दामादृष्टि अनुसूति लाय- परमेत् प्रकटा चक्रवा दामादृष्टि, भास्कुर्व गते, राष्ट्रीय शूल
दामादृष्टि भूत् प्रव; द्वाक्षर्य राष्ट्रीयवस्त्रावं प्रत्येन, द्वाक्षर्य द्वामादृष्टि अवधान इति
प्रवरेना,

— ° সমাজের চৰা : —

ପ୍ରମତ୍ତ,

ମାତ୍ର ତଥା ଅନ୍ତର୍ଦ୍ଵୀପିକ ନିର୍ମିତ ବୃକ୍ଷଧାରକେ ଜାମାଗ୍ର ପାରିବର୍ତ୍ତନେର ଫୁଲ ପାଳିକା
ମାଟ୍ର ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଉପରେତ୍ତମେ ଅଛନ କାମାଗ୍ର ନାୟ, କାମାଦେବ ପ୍ରତିହିତ ଆଶଳାଙ୍କର
କରିଲେ ଜୀବା ଯାହିଁ ମଧ୍ୟାଯେର ସ୍ଥିତି- ବୀରନା, ତାର ବିଧିବିର୍ତ୍ତନ, ଦୂର୍ତ୍ତ, କାବ୍ୟ-
ମାତ୍ରିତ୍ର, ମାତ୍ରାତ୍ମକ ପ୍ରକାଶର ଓ କଟେ ବୃକ୍ଷଧାରକେ ନିଯନ୍ତ୍ରଣ କରିଲେ,

ଶ୍ରୀମତ,

મારાણ પારિવર્તન સંગ્રહક માર્ગેર પ્રોટીશામ- એટિક બ્રાગધારે અનેને પ્રોટીશામ વાન્ડાફુલ વળે આચ્યુટ કરેછેન, માર્ગેર કાઠે મારાણે પ્રોટીશામ પ્રાણીક પાદપણે કોણો લાગે લાગેન- કન્જ અન્ધાર રૂમે ચલોછ, કાંઈ આચ્યુટાન- એલ પ્રોટીશામકે લાગ્યાનાંદુંધીયુંગે અનુભુવ કરતું કન્જ માર્ગેર મન્યાનુભુવ, દ્વારા દુષ્ટ રહ્યાને,

३५४

किन्तु दोनों देशों के विवरणों में अधिक अनीवार्य प्रकारों की विवरणों का उल्लेख नहीं होता। इसका अधिक समाजिक अधिकारों का विवरण नहीं होता।